शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

11 अक्टूबर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 247
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सब ठीक था ?

फिर भी परीक्षा रद्द करनी पड़ी

संवाददाता

देहरादून। कल तक जो सरकार जिस पेपर को कहती थी कि पेपर लीक नहीं हुआ आज उसी सरकार ने पेपर को रद्द करने का आदेश जारी कर दिया है।

आज यहां सचिव डॉ. शिव कुमार बरनवाल ने आदेश जारी करते हुए बताया कि उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 9 अप्रैल 2025 को स्नातक स्तरीय पदों की विज्ञप्ति के आधार पर 21 सितम्बर को प्रदेश के समस्त जनपदों में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था। निर्धारित तिथि 21 सितम्बर 2025 को परीक्षा समाप्ति के पश्चात लगभग डेढ बजे सोशल मीडिया पर कुछ प्रश्नों के स्क्रीन शॉट वायरल हुए जिसकी सूचना मिलने पर आयोग द्वारा तत्काल एससपी देहरादून को आवश्यक कार्यवाही हेतु कहा गया। एसएसपी द्वारा प्राथमिक जांच के आधार पर थाना रायपुर में कुछ लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। 27 सितम्बर को सरकार द्वारा प्रकरण की जांच हेतु कमीशन ऑफ इन्क्वायरी एक्ट 1952 के अन्तर्गत न्यायाधीश (से.नि.) उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड यूसी ध्यानी के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया गया। आज 11 अक्टूबर को न्यायिक आयोग की अन्तरिम जांच आख्या 8 अक्टूबर को प्राप्त हुई। आयोग द्वारा आख्या का गहन अध्ययन कर विचार विमर्श किया गया। तदोपरान्त निर्णय लिया गया कि लिखित प्रतियोगी परीक्षाओं की गोपनीयता, शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ-साथ परीक्षा का संदेह से परे होना भी आवश्यक है। परीक्षा के संबंध में उक्त प्रतियोगी परीक्षा में शामिल अभ्यार्थियों के साथ-साथ सामान्य जनमानस का पूर्ण विश्वास होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उक्त प्रकरण में विवेचना वर्तमान में प्रचलित है। आयोग द्वारा निर्णय लिया गया है कि परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए 21 सितम्बर 2025 को सम्पन्न परीक्षा को निरस्त किया जाना समुचित होगा। अत: 21 सितम्बर 2025 को आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा निरस्त की जाती है जिसकी पुन: परीक्षा तीन माह के पश्चात आयोजित की जानी प्रंस्तावित है।

विदित हो कि बीते 21 सितम्बर को यूकेएसएसएससी की स्नातक स्तरीय परीक्षा आयोजित की गयी थी। जिसका पेपर लीक होने की खबर मिलते ही पूरे राज्य मे छात्रो व युवा बेरोजगारों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिये गये। राजधानी दून मे भी युवा बेरोजगारो द्वारा जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। शुरू में तो सरकार द्वारा इसे पेपर लीक की घटना न मानते हुए छात्रों के धरना प्रदर्शन को कोई महत्व नहीं दिया गया साथ ही एसआईटी जांच शुरू करवा दी गयी। लेकिन जब पूरे राज्य से इसको लेकर विरोध के स्वर उठे तो सरकार बैकफुट पर आ गयी और सरकार ने इसकी सीबीआई जांच की मांग को लेकर केन्द्र से इसकी संस्तुति की गयी। जिसके बाद आज सरकार ने उक्त पेपर को भी रद्द करा दिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या बन सकेगी 2025 तक नशा मुक्त देवभूमि!

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का राज्य की जनता से किया गया सबसे बड़ा वायदा कि वह देवभूमि को 2025 तक नशा मुक्त राज्य बना देगें क्या पूरा होने वाला है। जी नहीं, हालांकि सीएम धामी ने अपनी ओर से इसके लिए लाखों प्रयत्न कर लिये गये है। लेकिन सम्बन्धित विभागों की लचर कार्यशैली के चलते उनका यह वायदा पूरा होता नहीं दिख रहा है। 2025 की विदाई मे भी अब कुल दो-ढाई माह का समय शेष बचा है और राज्य के कई हिस्सो से बड़े-बड़े नशा माफियाओं की गिरफ्तारी भी आये दिन हो रही है। लेकिन नशे का यह काला कारोबार अब राज्य में इतनी गहरी पैठ बना चुका है कि उसको उखाड़ पाना अब असंभव साबित हो रहा है। राज्य का कोई भी जिला अब ऐसा नहीं बचा है जहां इन नशा तस्करों की घुसपैठ न हो। कुछ वर्ष पूर्व 'उड़ता पंजाब' जैसी फिल्म जनता के सामने आयी थी। जिसने इस ड्रग्स की महामारी की तरफ लोगो का ध्यान खींचा था किन्तु आज तो देश का हर एक हिस्सा ड्रग्स की आंध ी में उड़ता हुआ दिखायी देता है। बात अगर उत्तराखण्ड की करें तो राज्य में विगत तीन वर्षो में माह अगस्त 2025 तक एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत 3431 मुकदमों में 4440 नशा तस्कर गिरफ्तार किये गये, जिनसे 681.09 किलोग्राम चरस, 649.79 किलोग्राम डोडा, 61.22 किलोग्राम अफीम, 0.39 ग्राम कोकीन, 58.98 किलो ग्राम हेरोईन, 4954.34 किलो ग्राम गांजा तथा 720278 गोलिया, 38919 इंजेक्शन व 718201 कैप्सूल बरामद किये गये, जिनका अनुमानित मूल्य 2,080,431,296 रूपये है। इतने बड़े पैमाने पर राज्य में हो रही नशा तस्करी यह बताने के लिए काफी है। कि राज्य में नशीले सामान की कितनी खपत हो रही है। राजधानी देहरादून से लेकर तमाम गावों और बस्तियों में ड्रग्स खुलेआम बेची जा रही है। अरबो-खरबों का अवैध ड्रग्स कारोबार व उसका नेटवर्क जो देश विदेशो तक फैला है उस पर लगाम लगाना कोई आसान काम नहीं है। स्कूली छात्र-छात्राओं से लेकर कूड़ा बीनने वाले बच्चों और कालेजों तथा होस्टलों तक ड्रग्स की सप्लाई को रोक पाना पुलिस प्रशासन के लिए एक गम्भीर चुनौती है। प्रदेश भर में नशा तस्करों का एक मजबूत नेटवर्क सक्रिय है। मेडिकल स्टोर से लेकर तमाम झोलाछाप डाक्टरों जो सिर्फ नाम मात्र के लिए अपने क्लीनिक खोले बैठे है इस ड्रग्स के सप्लायर बने हुए है। सरकार से सहायता प्राप्त कर चलाये जाने वाले नशा मुक्ति केंद्रो को उनके संचालकों द्वारा अपनी कमाई का जरिया बनाया हुआ है तथा उनका नशा मुक्ति अभियान से कोई सरोकार नहीं है। नशा इतना बड़ा अभिशाप बन चुका है कि अधिकांश अपराधों की पृष्ठभूमि में नशा ही अहम कारण के रूप में सामने आया है। सवाल यह है कि क्या उत्तराखण्ड सरकार इस समस्या को इतनी गम्भीरता से ले रही है कि अब से दो-ढाई माह बाद यानि 2025 के खत्म होने तक वह राज्य को नशा मुक्त कर देगी? यह वाकई सोचनीय सवाल है।

जूता फेंकने वाले वकील पर हो देशद्रोह का मुकदमा:जायसवाल

संवाददाता

देहरादून। भीम आर्मी एकता मिशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गीता राम जायसवाल ने कहा कि जज पर जूता फेंकने वाले वकील पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए।

आज भीम आर्मी एकता मिशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गीता राम जायसवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि जिस प्रकार संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पर दो वकीलों ने गलत टिप्पणी की है एक वकील ने जूता फेंका और दूसरे ने उनको संविधान विरोधी बताया मैं उन दोनों वकीलों से पूछना चाहता हूं कि क्या बाबा साहब अंबेडकर ने सिर्फ और सिर्फ अनुसूचित जाति के लोगों के लिए ही संविधान बनाया था जिस कोर्ट में वह आज काम कर रहे हैं अपने बच्चों का पेट पाल गुजारा कर रहे हैं वह संविधान बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा लिखा गया था। जिनके द्वारा आज वह कोर्ट में बैठकर धारा लगाते है और लोगों से पैसा लूटते हैं वह धाराएं बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा ही तैयार की गई थी और संविधान सबको समानता का अधिकार देता है। किसने अधिकार दिया है उनको कि वह बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जैसे महान व्यक्ति पर कोई टिप्पणी करें। एक वकील ने जो सुप्रीम कोर्ट के जज चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया कहे जाते हैं उन पर जूता फेंकने का काम किया है यह दोनों ही वकीलों ने बहुत ही शर्मनाक काम किया है। ऐसे वकीलों पर मुकदमा ही नहीं चलना चाहिए बल्कि उन दोनों वकीलों को देशद्रोही घोषित करके उन्हें देश से निकाल देना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोगों का देश में रहना ही गलत है जो समानता की बात न करें।

सरकार क्यों बचा रही निगम भूमि घोटाले के मास्टरमाइंड को: मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि हरिद्वार नगर निगम भूमि घोटाले के मास्टरमाइड को सरकार क्यों बचा रही है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि हरिद्वार ,नगर निगम भूमि खरीद घोटाले में छोटी मछलियों (अधिकारियों) पर शिकंजा कसने के लिए सरकर ने अलग-अलग जांच अधिकारी नियुक्त किए हैं, जोकि सराहनीय कदम है, लेकिन मुख्य मास्टरमाइंड/ मगरमच्छ अधिकारी, जिसने घोटाले को अंजाम दिया, आज तक सरकार द्वारा शिकंजे में नहीं लिया गया। ऐसे महाभ्रष्ट अधिकारी को, जिसके इशारे पर यह सारा खेल रचा गया, को बर्खास्त किया जाना चाहिए तथा इन पर शिकंजा कसने व घोटाले के कर्ताधर्ताओं के खिलाफ सरकार को सीबीआई जांच कराने की दिशा में कार्रवाई करने तथा एफआईआर दर्ज करवानी चाहिए। नेगी ने कहा कि उक्त घोटाले में सरकार में अच्छी दखल रखने वाले मास्टरमाइंड/ जालसाज अधिकारी के निर्देश व दबाव के कारण ही इस घोटाले को अंजाम दिया गयाद्य यह अलग बात है कि अधि कारियों ने दबाव में आकर यह घोटाला किया, जिसमें इनको निलंबित कर दिया गया एवं विजिलेंस जांच के आदेश भी

सरकार द्वारा दिए गए ,जोकि सराहनीय कदम है, लेकिन असली मास्टरमाइंड के खिलाफ कार्रवाई न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सूत्र बताते हैं कि उक्त मास्टरमाइंड अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी, एसडीएम, नगर आयुक्त व अन्य अधिकारियों पर दबाव बनाकर इनको नियम विरुद्ध काम करने व काम जल्दी निपटाने के निर्देश दिए गए थे।

नेगी ने कहा कि सवाल इस बात का है कि उक्त अधिकारियों द्वारा कैसे कूड़े के ढेर से लगती हुई कई बीघा भूमि का लैंड यूज चेंज कर 14 करोड़ की भूमि 54 करोड़ में रातों-रात खरीद ली गई, जिससे सरकार को लगभग 40 करोड रुपए की चपत लगी। नेगी ने कहा कि वैसे तो उक्त घोटाले की जांच आईएएस अधिकारी द्वारा की जा चुकी है, जिसके परिणाम स्वरूप कुल मिलाकर 12 अधिकारियोंको निर्लबित/ सेवा विस्तार समाप्त किया जा चुका है। अब तक उक्त घोटाले में इन अधिकारियों के खिलाफ आर्थिक आपराधिक षड्यंत्र व भ्रष्टाचार निवारण एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हो जानी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई।

नेगी ने कहा कि उक्त जालसाज अधिकारी के कुकर्मों का दंड ये अधि कारी भुगत रहे हैं, जिनको निर्लबित किया जा चुका है। उक्त जालसाज अधि कारी ने सरकार की छवि को धूमिल करने का काम किया है। मोर्चा सरकार से आग्रह करता है कि न्याय के सिद्धांत के दृष्टिगत शीघ्र उक्त जालसाज/ मास्टरमाइंड अधिकारी को बर्खास्त कर इस पूरे गिरोह के खिलाफ सीबीआई जांच व भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई करे। पत्रकार वार्ता में हाजी असद व अमित जैन मौजूद थे।

पुलिस लाइन में हर्ष उल्लास से मनाया गया करवाचौथ का पर्व

❑महिला पुलिस कर्मियों हेतु 'साज सज्जा' व 'स्पेशल टैलेंट' प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस लाइन में हर्षोल्लास के साथ करवाचौथ पर्व मनाया गया जिसमें महिला पुलिस कर्मियो के लिए 'साज सज्जा' व 'स्पेशल टैलेंट' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पुलिस परिवार की महिलाओं एवं महिला पुलिस कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती सरिता डोबाल के निर्देशन में करवाचौथ पर्व के अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानसू में 'करवाचौथ कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे पुलिस परिवार की महिलाओं एवं महिला पुलिस कर्मियों हेतु 2 प्रतियोगितायें "साज-सज्जा" तथा "स्पेशल टैलेंट" आयोजित की गयी, जिनमें पुलिस विभाग की महिला कर्मचारियों द्वारा बढ-चढकर प्रतिभाग कर विभिन्न नृत्य, लोकनृत्य, पारंपरिक गीतो/कविता का गायन, चुटकुले, रैम्प वॉक व अन्य प्रतिभायें प्रस्तुत की गयी। उक्त कार्यक्रम के दौरान पुलिस परिवार के बच्चों(किड्स, जूनियर व सीनियर तीन वर्ग) हेतु ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में सम्मिलित हुये प्रतिभागियों मे से अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को जज (पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती सरिता डोबाल एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्रीमती भावना कैंथोला) द्वारा पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। साज-सज्जा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती मधु, द्वितीय श्रीमती गीता कोठारी

तथा श्रीमती रीता कण्डारी तीसरे स्थान पर रहीं। स्पेशल टैलेंट में श्रीमती वन्दना शर्मा(प्रथम), श्रीमती दीपिका मैठाणी(द्वितीय) जबकि महिला आरक्षी श्रीमती सरस्वती तीसरे स्थान पर रही। ड्राइंग प्रतियोगिता (किड्स) मे आयुष्मान शाह(1) वासू(2) तथा श्रेयश(3) स्थान पर रहे, जूनियर वर्ग में गार्गी मैठाणी(1), विनायक शाह(2) तथा सिया(3) स्थान पर रहीं, वहीं सीनियर वर्ग मे रिवाली तोमर को पहला, आराध्या तोमर को दूसरा जबकि गौरी कण्वाल को तीसरा स्थान प्राप्त हुया। कार्यक्रम के अन्त में एसपी उत्तरकाशी द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर उत्साहवर्धन किया गया। एसपी उत्तरकाशी द्वारा समाज मे महिलाओं की भागीदारी के महत्वपूर्ण बताते हुये पुलिस विभाग में विभिन्न चुनौतियों के बीच कर्तव्यों का पालन करने के साथ अपने परिवार/घर की भी भलि-भांति देखभाल करने वाली महिला पुलिस कर्मियों एवं पुलिस परिवार की महिलाओं की सराहना की गयी। कार्यक्रम मे पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी की माता श्रीमती सरोज रावत बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी महिला काउंसलिंग सैल, श्रीमती गीता द्वारा किया गया तथा मंच संचालन महिला आरक्षी श्रीमती किरन नौटियाल द्वारा किया गया।

ऑनलाइन ठगे 13 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाइन 13 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मयूर विहार निवासी तेज प्रकाश शर्मा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने उसको ऑनलाइन काम करने का झांसा देकर उससे 13 लाख रूपये ठग लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

रोजाना दूध पीने के हैं फायदे

पूरी दुनिया में दूध के फायदे किसे नहीं पता। इसमें कई सारे न्यूट्रिएंट्स होते हैं और इसे कंप्लीट मील माना जाता है। अगर बचपन की बात करें तो मां कैसे रोज दूध पीने के लिए फोर्स करती थीं, यह सभी को याद होगा। हालांकि कई लोगों को दूध पीना पसंद नहीं होता। जानते हैं रोजाना दूध पीना सही है या नहीं...

अगर आपके मन में यह सवाल उठता है कि दूध पीना क्यों जरूरी है या रोजाना दूध क्यों पीना चाहिए तो यहां इसके कुछ फायदे जान लीजिए। दूध एक ऐसा आइटम है जो हर किसी के घर पर जरूर पाया जाता है। कुछ लोग सुबह के वक्त दूध पीते हैं तो कुछ बेड पर जाने के पहले। इसमें कई सारे ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो फायदा करते हैं लेकिन इसमें मौजूद कुछ एंजाइम्स कुछ लोगों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

कुछ स्टडीज की मानें तो दूध से डायबीटीज की रोकथाम भी करता है। माना जाता है कि दूध ब्लड का शुगर लेवल कम करता है। इसमें पोटैशियम का लेवल ज्यादा होता है जिससे ब्लड प्रेशर भी मेनटेन रहता है।

दूध आपको हाइड्रेट रखता है और स्किन में ग्लो लाता है। लेकिन अगर आप मिलावटी दूध पीते हैं तो आपको पिंपल्स भी हो सकते हैं। मिलावटी दूध में ऑक्सिटोसिन होता है जिससे शरीर को काफी नुकसान हो सकता है।

वैसे फुल क्रीम मिल्क को स्किम्ड मिल्क से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। अगर आप डायटिंग कर रहे हैं या मेडिकल सुपरविजन में हैं, या लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ज्यादा दूध आपको नुकसान भी कर सकता है। बच्चों से लेकर अडल्ट तक रोजाना दूध पी सकते हैं लेकिन इसकी मात्रा का ध्यान रखना चाहिए। अगर दूध में मिलावट नहीं है तो यह आपके लिए बेहद फायदेमंद है।

वैसे फुल क्रीम मिल्क को स्किम्ड मिल्क से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। अगर आप डायटिंग कर रहे हैं या मेडिकल सुपरविजन में हैं, या लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ज्यादा दूध आपको नुकसान भी कर सकता है। बच्चों से लेकर अडल्ट तक रोजाना दूध पी सकते हैं लेकिन इसकी मात्रा का ध्यान रखना चाहिए। अगर दूध में मिलावट नहीं है तो यह आपके लिए बेहद फायदेमंद है।

घर में किस दिशा में लगाए घड़ी

घड़ी हम सबके घर में होती है। लेकिन घर की किस दिशा में घड़ी लगाना शुभ होता है यह हममें से कम लोग जानते हैं। आइए जानें घड़ी की वास्तु अनुसार कुछ खास बातें...

– आपके घर में घड़ी अगर दक्षिण दिशा में लगी है तो इसको अभी उतार दें क्योंकि यह आपके व परिवार के लिए सही नहीं है। ये ठहराव की दिशा है और इसके कारण आपके घर के मुख्य सदस्य की सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

– आपके घर में किसी दरवाजे के ऊपर घड़ी लगी है, तो इसको आज ही उतार दें। ये वास्तु शास्त्र के अनुसार सही नहीं है। ऐसा करने से उसके नीचे से गुजरने वाले व्यक्ति पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव पड़ता है।

–घड़ी के लिए सबसे अच्छी दिशा पूर्व मानी गई है। अगर आपके घर में पूर्व दिशा में घड़ी लगी है इससे घर में लक्ष्मी की आगमन होता है। अगर आप घड़ी को पश्चिम दिशा में लगाएंगे तो घरवाले के मन में हमेशा सकारात्मक विचार आते हैं।

–वास्तु के हिसाब से घड़ियां भी अलग होती है। वास्तु में ये माना गया है कि अगर आपके घर में पेंडुलम वाली घड़ी है तो ये आपके लिए अच्छी होती है। इससे लोगों की तरक्की होती है। इस घड़ी को पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए।

– अगर आपके घर में कोई ऐसी घड़ी है जो चलती नहीं है और पड़ी रहती है। आपको इस तरह की घड़ियां निकालकर तुरंत घर के बाहर फेंक देना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है।

– घर में काले, नीले और केसरिया कलर की घड़ी नहीं लगानी है। ये वास्तु के हिसाब से नहीं है। इसके साथ ही आपके घर में लगी घड़ी चौकोर और गोल है, तो शुभ संकेत हैं। ऐसी घड़ी आपके लिए शुभ होती है। इनको लगाने से घर में सुख और शांति आती है। इससे घरवालों की तरक्की भी होती है।

क्या स्कूल में 'श्रमदान' को कोर्पोरल पनिशमेंट माना जाना चाहिए?

देहरादून के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय की एक वीडियो हाल ही में इंटरनेट पर वायरल हुई, जिसमें छात्र कुदाल और बाल्टियों की मदद से स्कूल के बाहर दीवार के पास रखे रेत और बजरी को लेकर स्कूल के अंदर जाते दिख रहे थे। शिक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बाल श्रम कानून के तहत उस स्कूल के हेडमिस्टर को निलंबित कर जांच के आदेश दिए।

खबरों के अनुसार, हाल ही में हुई बारिश की वजह से स्कूल के मुख्य द्वार पर गड्ढे बन गए थे, जिन्हें भरने के लिए छात्रों ने सड़क किनारे उपलब्ध रेत और बजरी से गड्ढे भरने का सुझाव दिया था। जबकि हेडमिस्टर ने न तो इस सुझाव में शामिल होने की बात मानी है और न ही छात्रों की इस कार्रवाई में उनकी सहमति है, लेकिन विभाग ने बिना मामले की पूरी पड़ताल किए उन्हें निलंबित कर दिया।

जब मैंने यह बात अपने 87 वर्षीय माताजी से कही, तो उन्होंने अपने गांव के स्कूल की याद दिलाई, जहां छात्र हर तरह के 'श्रमदान' करते थे। वे शिक्षकों के लिए पानी लाते, रसोई के लिए लकड़ी लेकर आते और यहां तक कि बर्तन भी धोते थे। मैंने कहा, आज के समय में तो न सिर्फ छात्रों को डांटना मुश्किल है, बल्कि शारीरिक दंड भी कानूनी अपराध बन चुका है।

फिर भी मेरा मानना है कि अतीत में और आज भी 'श्रमदान' को किसी भी कानून के तहत अपराध नहीं माना जाना चाहिए। कुछ लोग सवाल उठाते हैं कि

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

क्या स्कूल के गेट पर गड्ढे भरने का काम बाल श्रम के अंतर्गत आता है। अगर ऐसा हुआ तो स्कूलों में छात्रों द्वारा की जाने वाली सभी स्वैच्छिक सेवाओं– 'श्रमदान'– पर भी संदेह होगा। इससे छात्रों को अपने कक्षाओं, स्कूल और आसपास की सफाई खुद करने का अवसर नहीं मिलेगा, जो उनके घरों पर भी लागू होता है।

श्रमदान को शिक्षा प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा माना जाना चाहिए ताकि छात्रों में देश के प्रति जिम्मेदारी और अच्छे नागरिक बनने की भावना विकसित हो।

जापान का उदाहरण लें, जहां स्कूलों में 'सफाई का समय' होता है। जापानी छात्र न केवल अपने कक्षाओं बल्कि स्कूल के गलियारों और शौचालयों की भी खुद सफाई करते हैं। इससे उनमें साफ-सफाई की आदत पड़ती है जो स्कूल और सार्वजनिक स्थानों दोनों तक फैलती है। कई लोग मानते हैं कि यह समय छात्र खुद पर ध्यान केंद्रित करने और मानसिक शांति पाने का मौका भी देता है।

हम जापानी संस्कृति की हूबहू नकल नहीं चाहते, लेकिन अपने स्कूलों की संरचना और शिक्षा स्तर को बेहतर जरूर बना सकते हैं। इसका प्रमाण यह भी है कि अधिकतर शिक्षक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों की बजाय निजी स्कूलों में पढ़ाते हैं।

भारतीय संस्कृति में स्वैच्छिक कार्य, यानी 'श्रमदान', की परंपरा सदियों पुरानी है। यह केवल स्कूलों और कॉलेजों तक सीमित नहीं बल्कि पूरे देश में सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी किया जाता है। इस मामले में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने खुद पहल कर गड्ढे भरने का श्रमदान किया, जिसे सम्मानित किया जाना चाहिए था। परन्तु उन्हें मजबूरी में मजदूरी करने वाला समझा गया, जो बिल्कुल गलत है। दुख की बात है कि हेडमिस्टर को भी इस मामले में गैरजिम्मेदारी के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया, जबकि वे खुद इस योजना या कार्रवाई में शामिल नहीं थे। अब हमें देश भर के स्कूलों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में 'श्रमदान' के दायरे और सीमाएं स्पष्ट करनी होंगी ताकि छात्रों की स्वैच्छिक सेवा को प्रोत्साहित किया जा सके, न कि दंडित।

(लेखक समाजशास्त्री हैं और लगभग चार दशकों से विकास क्षेत्र में सक्रिय हैं।)

नए चेक क्लीयरिंग और सेटलमेंट सिस्टम में आ रही हैं दिक्कतें?

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक का नया चेक क्लीयरिंग सिस्टम 4 अक्टूबर 2025 से लागू हो चुका है, लेकिन इसमें अब दिक्कतें आने लगी हैं। आरबीआई ने इस मकसद के साथ इस नए सिस्टम को शुरू किया ताकि बैंक में चेक लगाने के बाद यह घंटों में पास हो जाए और अकाउंट में झटपट पैसे आ जाए। हालांकि, अब तकनीकि गड़बड़ियों और कर्मचारियों की सही ट्रेनिंग के अभाव में चेक क्लीयरिंग और सेटलमेंट सिस्टम में परेशानी आने लगी है। ऐसे में नए सिस्टम के लागू हो जाने के बाद भी लोगों को चेक क्लीयर होने में इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि प्लान यह था कि चेक फटाफट क्लीयर हो और अकाउंट में झटपट पैसे आए। ज्यादातर बैंकों में स्टाफ नए सिस्टम को लेकर अपर्याप्त प्रशिक्षण, चेक की खराब व धुंधली तस्वीरें और स्कैन करने के अल-अलग तरीकों को लेकर परेशान हैं। उनका मानना है कि नए सिस्टम के तहत उन्हें जल्दबाजी में स्कैनिंग, स्कैन की खराब क्वॉलिटी, चेक की अधूरी या धुंधली इमेज जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है इससे सेटलमेंट में देरी हो रही है। कई बैंकों में स्टाफ नए सिस्टम की ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह समस्या बड़े शहरों के मुकाबले छोटे शहरों या नॉन-मेट्रो सिटीज में अधिक देखी जा रही है, जहां अभी तक कर्मचारी नए सिस्टम के आदि नहीं हो पाए हैं।

एनसीसी कैडेट्स को पुलिस ने पढाया साइबर, महिला अपराध व सडक सुरक्षा का पाठ

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने एनसीसी कैडेट्स को साइबर व महिला अपराधों व सडक सुरक्षा की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

आज यहां समाज मे नशे के दुष्प्रभाव, साइबर, महिला अपराध तथा अन्य सामाजिक कुरीतिये के प्रति जनजागरुकता बढाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन मे उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चालये जा रहे जनजागरुकता अभियान के अन्तर्गत थानाध्यक्ष बड़कोट, दीपक सिंह कठैत द्वारा न्यू होली लाइफ इंटर कालेज, बड़कोट के जूनियर तथा सीनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेट के साथ गोष्ठी आयोजित कर नशे के दुष्प्रभाव, साइबर, महिला अपराध, यातायात व राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न के सम्बन्ध जानकारी देकर जागरुक किया गया।

कैडेट्स को साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा के उपाय और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुये साईबर हेल्पलाईन नम्बर 1930 की उपयोगिता बतायी गयी। युवा पीढी मे दिनोदिन बढ रहे कुप्रभाव के प्रति सजग करते हुये सभी को नशे से दूरी बनाने, स्वस्थ जीवनशैली व उज्जवल भविष्य के लिये मार्ग दर्शन किया गया। यातायात नियम, सड़क सुरक्षा के उपाय व यातायात संकेतों की जानकारी देने के साथ कैडेट्स को महिला अपराध व महिला सुरक्षा के विषय तथा डायल 112 व उत्तराखण्ड पुलिस एप्प की जानकारी दी गयी। इस दौरान पुलिस द्वारा कैडेट्स को राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न "अशोक स्तम्भ" के बारे में जानकारी देते हुये बताया गया कि यह हमारे राष्ट्र की एकता, गौरव और पहचान का प्रतीक हैं। हम सभी को अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान में उनका सही और मर्यादित उपयोग एवं आदर करना चाहिये, यह सम्मान देश की एकता और विविधता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गोष्ठी के दौरान स्कूल प्रबन्धक, अध्यापक एवं प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन मीटिंग के दौरान कैमरा-रेडी दिखने के लिए अपनाएं ये मेकअप टिप्स

दुनिया के अधिकांश हिस्सों में कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण में होने के बाद भी वर्क-फ्रॉम-होम यानी घर से काम करने की व्यवस्था अभी भी चलन में है । वर्क-फ्रॉम-होम में अक्सर महिलाओं को ऑनलाइन मीटिंग में में शामिल होना पड़ता है।ऐसे में अपने सीनियर्स और अन्य सहकर्मियों पर छाप छोड़ने के लिए पेशेवर दिखना बहुत महत्वपूर्ण है। आइए आज कुछ ऐसे मेकअप टिप्स जानते हैं, जो आपको ऐसी मीटिंग्स के दौरान कैमरा-फ्रेंडली बनाने में मदद कर सकते हैं।

ग्लॉसी की जगह मैट फिनिश मेकअप लुक चुनें

ग्लॉसी मेकअप कैमरे के आगे आपको काफी चमकदार दिखा सकता है। इससे आप ऑफिस मीटिंग में अनप्रोफेशनल भी लग सकती हैं। ऑफिशियल मीटिंग्स में सोबर और एलिगेंट मेकअप लुक होना बेहद जरूरी होता है। यही वजह है कि ऐसी मीटिंग्स के लिए मैट फिनिश मेकअप सबसे अच्छा होता है। मैट फिनिश मेकअप आपको तुरंत कैमरा-फ्रेंडली दिखने में मदद कर सकता है और आप सबके बीच काफी आकर्षक दिख सकती हैं।

कंसीलर और फाउंडेशन जरूर लगाएं

अगर कोई जरूरी मीटिंग आ जाए और आपके पास बहुत कम समय हो तो कंसीलर आपको कैमरे के सामने बेदाग दिखने में मदद कर सकता है। आप अपने चेहरे के उन बिंदुओं पर कंसीलर लगा सकती हैं, जो कैमरे पर गहरे दिखाई देते हैं। कैमरा-फ्रेंडली लुक चुनते समय फाउंडेशन का इस्तेमाल भी जरूर करें। कंसीलर लगाने के बाद जब आप फाउंडेशन का इस्तेमाल करेंगी तो आपकी त्वचा और भी खूबसूरत नजर आएगी।

हल्का आई मेकअप करें

सूजी हुई आंखें और काले घेरे आपकी आंखों को सुस्त और अनिद्रा का रूप दे सकते हैं। ऐसे में खुद को कैमरा-फ्रेंडली बनाने के लिए लाइट आई मेकअप जरूर करें। इसके लिए आईलाइनर या काजल का इस्तेमाल करें। अगर आप इन दोनों आई प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ मस्कारा भी लगा सकती हैं। इससे आपकी पलकें लंबी और खूबसूरत लगेंगी। इसके अलावा आप मीटिंग में बिल्कुल तरोताजा नजर आएंगी।

लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें

कैमरा-फ्रेंडली मेकअप के लिए भी लिपस्टिक भी बहुत जरूरी है। इसके लिए डार्क शेड की लिपस्टिक की जगह लाइट शेड चुनें और सुनिश्चित करें कि आप ऐसे ग्लॉसी शेड का इस्तेमाल न करें जो आपको ज्यादा पार्टी लुक दे। पीच या हल्के गुलाबी रंग की लिपस्टिक आपको कैमरे पर ऑनलाइन मीटिंग के दौरान अधिक पेशेवर दिखने में मदद कर सकती है। (आरएनएस)

फैशन टिप्स जिससे आप दिखेंगी सबसे अलग

फैशनेबल दिखना किसे पसंद नही होता, खासकर ये महिलाओं में यह आदत होती है कि वह हमेशा भीड़ से अलग दिखना चाहती हैं। अच्छे कपडे, अच्छे फुटवीयर, अच्छे बैग्स खरीदना आसान है लेकिन यह समझना की आप की पर्सनालिटी पर क्या अच्छा लगेगा ये समझना ही फैशन है। आज हम आपको महिलाओं के फैशन टिप्स के बारे में बताएंगे जिनका ख्याल रखकर आप भी स्टाइलिश और ग्लैमरस नजर आ सकती हैं।

महिलाओं के फैशन टिप्स के बारे में-

महिलाओं के फैशन टिप्स की बात करें तो उनकी अलमारी बहुत महत्वपूर्ण होती है। खुद में बदलाव लाने के लिए आपको सबसे पहले अपना वार्डरोब देखें और जो भी कपड़े या जूते आउट ऑफफैशन हो गये हो उसे बाहर निकाल दें या किसी जरूरतमंद को दान दे। अगर आप शॉपिंग करने गयी हैं तो कपडे खरीदने से पहले आप एक बार ड्रेस को जरुर ट्राई कर लें और शॉप में मौजूद मिरर की मदद से यह जांच लें कि वह आप पर अच्छा लग रहा है या नहीं। यदि आप रोजाना अपने कपड़ों में इस्तरी नही कर पाती हैं लेकिन आप आरामदायक कपडे पहन चाहती हैं तो आप लाइक्रा का चुनाव करें। अच्छी ड्रेस के साथ अच्छा हेयर स्टाइल भी बेहद जरूरी है। सही हेयर स्टाइल आपके लुक में चार-चाँद लगा देता है। आप बाजार में मौजूद विभिन्न प्रकार के हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। फैशन टिप्स में मेकअप भी अहम योगदान देता है। हमेशा मेकअप ड्रेस और फंक्शन के अनुसार करें। अत्यधिक मेकअप आपके फैशन को खराब कर सकता है। सही परफ्यूम भी बेहद जरूरी होता है। अच्छे कपड़ो के साथ अच्छी खुशबू आपके फैशन को और अच्छा बना देती है। इसीलिए हमेशा सही परफ्यूम का चुनाव करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

एक्सफोलिएट करते समय न करें ये गलतियां, त्वचा को हो सकता है नुकसान

त्वचा से गंदगी और मृत कोशिकाएं हटाने के लिए एक्सफोलिएशन करना जरूरी होता है। हालांकि, कई लोग इस प्रक्रिया में कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे उनकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम आपको उन सामान्य गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहे। सही तरीके से एक्सफोलिएट करने से आप अपनी त्वचा को नई जान दे सकते हैं।

ज्यादा एक्सफोलिएट करना

कई लोग यह मानते हैं कि जितनी बार वे अपनी त्वचा को साफ करेंगे, उतनी जल्दी उनकी त्वचा साफ और चमकदार होगी। यह सोच सही नहीं है। ज्यादा एक्सफोलिएशन करने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है और त्वचा सूखी और बेजान हो जाती है। इससे त्वचा पर जलन और लालिमा भी हो सकती है। इसलिए हफ्ते में केवल 2-3 बार ही एक्सफोलिएट करें और धीरे-धीरे इसे अपनी त्वचा की जरूरत के अनुसार अपनाएं।

गलत स्क्रब का चयन

एक्सफोलिएशन के लिए सही स्क्रब का चयन करना बहुत जरूरी है। कई लोग आसानी से उपलब्ध स्क्रब का इस्तेमाल कर लेते हैं, जो कि सही नहीं है। गलत स्क्रब से आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। इसलिए हमेशा अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार स्क्रब चुनें और उसमें प्राकृतिक तत्व शामिल हों। इसके अलावा स्क्रब में बहुत बड़े कण न हों ताकि आपकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

गीली त्वचा पर स्क्रब लगाना

कई लोग गीली त्वचा पर स्क्रब लगाते हैं, लेकिन यह तरीका सही नहीं होता। गीली त्वचा पर स्क्रब लगाने से वह सही तरीके से काम नहीं करता और त्वचा को पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बेहतर होगा कि आप पहले अपनी त्वचा को साफ पानी से धो लें और फिर सूखी त्वचा पर हल्के हाथों से स्क्रब लगाएं। इससे स्क्रब सही तरीके से काम करेगा और आपकी त्वचा को पूरी तरह से फायदा पहुंचेगा।

अधिक दबाव डालना

कुछ लोग त्वचा को अधिक दबाव डालकर स्क्रब करते हैं, जिससे उनकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। अधिक दबाव डालने से त्वचा की ऊपरी परत हट जाती है, जिससे जलन और लालिमा हो सकती है। इसलिए हमेशा हल्के हाथों से ही स्क्रब करें और त्वचा को अधिक न खरोंचें। इससे आपकी त्वचा साफ भी होगी और उसे कोई नुकसान भी नहीं पहुंचेगा। सही तरीके से एक्सफोलिएट करने पर आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी।

सही समय पर न करना

एक्सफोलिएशन का सही समय बहुत अहमियत रखता है। कई लोग सुबह या रात दोनों समय एक्सफोलिएट करते हैं, जो सही नहीं है। सबसे अच्छा समय रात का होता है क्योंकि रात में त्वचा आराम करती है और नए सेल बनने की प्रक्रिया तेज होती है। सुबह में केवल हल्का टोनर या माइस्चराइजर इस्तेमाल करें। इस तरह आप अपनी त्वचा को सही तरीके से एक्सफोलिएट कर सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -( ) (भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राज्य की नीति नियम, 'पालिटिक्स' 3. नशीला, मदभरा 5. वनसंबंधी, जंगली 6. अधीनता, मातहती, अधिकार 8. पर्व, त्यौहार 10. बिदा करना, विदा होने की रस्म 12. लालू प्रसाद की पत्नी जो बिहार की मुख्यमंत्री हैं 15. लूटपाट, डकैती 17. नौकरानी, गुलाम स्त्री 19. परदा, रंगमंच का परदा 20. लालायित रहना, किसी चीज को पाने के लिए बैचैन रहना।

ऊपर से नीचे

1. आराम, सुख, चैन, करार 2. इरादा, मंसूबा 3. श्रेष्ठ, श्रद्धेय 4. वध, हत्या, खून 5. बेटा, पुत्र 7. अधिकारी, जिसका हक बनता हो 8. जिसकी उम्र काफी हो चुकी हो, बड़ी उमर वाला 9. पृथ्वी, धरती, वसुंधरा 10. विचार करने योग्य 13. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 14. शरतचंद्र बाबू की एक महान कृति, इसी नाम से बनी, शाहरूख, ऐश्वर्या, माधुरी की फिल्म 16. कम वजनी, मामूली, लहर, घेरा, परिधि 18. छाती, सिलाई करना।

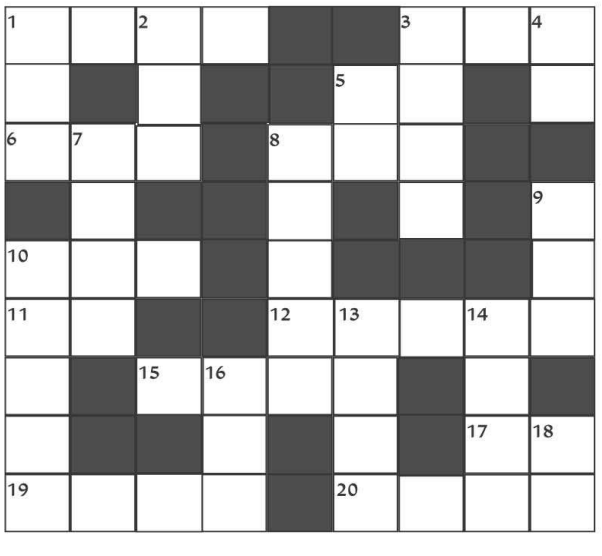

र	ह	स्य			वि		मो	र
वा	म		र	ज	नी	च	र	
ना	ला	य	क		त	मा	चा	
	व	ह	म			च		क
ता	र			म	हा	म	हि	म
क			ज	ल्ला	द			नी
त	र्क		स	ह	सा		गा	य
व			वं			रा	य	
र	वि		त			ग	ब	रू

कनमनी की भूमिका हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगी: प्रियंका अरुल मोहन

डीवीवी दानय्या और कल्याण दसारी द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले भव्य पैमाने पर निर्मित पावर स्टार पवन कल्याण फिल्म ओजी का निर्देशन सुजीत ने किया है। ओजी में पवन कल्याण एक दमदार भूमिका में हैं और प्रियंका अरुल मोहन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं। पिछने माह दुनिया भर में इसकी रिलीज़ के बाद फिल्म आसमान छू रही हैं। इसी संदर्भ में, प्रियंका अरुल मोहन ने मीडिया से बात की और फिल्म के बारे में कई रोचक जानकारियाँ साझा कीं।

ओजी के साथ मेरा सफ़र लगभग ढाई साल का रहा है। मैं इस अनुभव को कभी नहीं भूल पाऊँगा। पवन कल्याण के साथ अभिनय करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस फ़िल्म में कनमनी का किरदार निभाना और भी ज़्यादा सौभाग्यशाली लगता है। अब तक मैंने जितने भी रोल किए हैं, उनमें से कनमनी मेरी पसंदीदा भूमिकाओं में से एक है। इस किरदार के लिए मेरे दिल में हमेशा एक ख़ास जगह रहेगी। पवन कल्याण के साथ काम करना हर दिन एक आशीर्वाद की तरह है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। वह एक सज्जन व्यक्ति हैं और सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं। आन-स्क्रीन और आफ-स्क्रीन, वह एक असली हीरो हैं।

फिल्म की घोषणा के बाद, निर्देशक ने मुझे इसकी कहानी सुनाई। मुझे यह तुरंत पसंद आई और मैंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी। मुझे कनमनी का किरदार भी बहुत पसंद आया। इसके अलावा, यह पवन कल्याण की फिल्म है, जिसका निर्देशन सुजीत ने किया है और निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट ने किया है। इस फिल्म के लिए हाँ कहने के लिए इससे ज़्यादा और क्या चाहिए?

कहानी 1980-1990 के दशक की है। किरदार का आकार और स्टाइल सब उसी दौर के अनुरूप है। कनमनी एक मासूम और प्यारी लड़की है। वह गंभीरा से बेइंतहा प्यार करती है और उसकी ज़िंदगी बदलने में अहम भूमिका निभाती है।

मैं थमन के साथ पहली बार काम कर रहा हूँ। उन्होंने हर गाने में एक अलग ही ध्वनि डाली। इस फिल्म के लिए उन्होंने जो पहला गाना कंपोज किया था, वह सुवी सुवी था। मैं इसे सुनने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। रिलीज़ के बाद लोगों को यह गाना इतना पसंद आ रहा है, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

उनकी दीवानगी बेशुमार है। जब मैं बैंगलोर में था, तब भी मुझे इसके बारे में पता था। लेकिन उनके साथ काम करके मुझे एहसास हुआ कि उनकी लोकप्रियता मेरी कल्पना से भी कहीं ज़्यादा है। इतनी शोहरत के बावजूद, वे ज़मीन से जुड़े हुए हैं। वे ज़मीन से जुड़े हुए इंसान हैं और बहुत ही सरल हैं।

ज़्यादातर किताबों के बारे में। वह पढ़ी हुई कहानियों और उपन्यासों के बारे में बात करते थे। वह इतिहास, कभी-कभी फिल्मों और राजनीति पर भी चर्चा करते थे। सबसे बढ़कर, वह लोगों के बारे में खूब बातें करते थे।

किसी भी सीन की शूटिंग से पहले, वह निर्देशक और अभिनेताओं के साथ उस पर चर्चा करते हैं। वह फिल्म के लिए मददगार व्यावहारिक सुझाव देते हैं। एक अभिनेता के तौर पर, वह अपने किरदार को बेहद सहज बना देते हैं। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।

घर जैसा एहसास। मैं खुशकिस्मत हूँ कि मुझे इस बैनर के साथ दो फ़िल्में करने का मौका मिला। सच कहूँ तो, ओजी पहली फ़िल्म थी जिसके लिए मैंने हामी भरी थी, हालाँकि सारिपोडा शनिवरम उससे पहले रिलीज़ हुई थी। निर्माता, दानय्या सर और कल्याण सर, बहुत अच्छे लोग हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूँ। मैं तेलुगु में कुछ कहानियाँ सुन रही हूँ, और मैं अन्य भाषाओं की फिल्मों पर भी काम कर रही हूँ। (आरएनएस)

विद्या बालन ने साड़ी में बिखेरा जलवा

बालीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपने अनूठे अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीत रही हैं। विद्या अपने खूबसूरत और पारंपरिक लुक को सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं।

विद्या ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद आकर्षक और सौम्य अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने एश ग्रे रंग की चंदेरी साड़ी पहनी। इस साड़ी पर सुनहरे रंग की बारीक डिजाइन और मैचिंग बार्डर इसे और भी खास बनाते हैं। विद्या ने इस साड़ी के साथ गहरे हरे रंग का ब्लाउज पेयर किया, जो उनके लुक को और निखार रहा है।

मिनिमल मेकअप के साथ विद्या ने माथे पर छोटी-सी हरी बिंदी, कानों में बड़े-बड़े झुमके और पोनी स्टाइल में चोटी बांधी है, जिसने उनके लुक को ट्रेडिशनल टच दिया। उनकी तस्वीरें देखकर प्रशंसक उनकी सादगी और शालीनता की तारीफ कर रहे हैं।

तस्वीरों में विद्या का अंदाज भी देखने लायक है। पहली तस्वीर में वह दीवार के बार्डर को पकड़कर दूसरी ओर देखते हुए पोज दे रही हैं, जो उनकी सहजता को दर्शाता है। दूसरी तस्वीर में भी वह उसी अंदाज में उल्टी दिशा में देखकर मुस्कुराती नजर आ रही हैं।

विद्या के इस लुक को देख प्रशंसकों ने कमेंट्स में उनकी खूबसूरती और पारंपरिक अंदाज की जमकर तारीफ की। विद्या नवरात्रि के हर दिन अपने लुक से कुछ पेश कर रही हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया था। इसी साल एक्ट्रेस की सुपरहिट फिल्म परिणीति को सिनेमाघरों में री-रिलीज भी किया गया। इसके बाद वह अपनी आगामी फिल्म कहानी 3 में दिखाई दे सकती हैं, हालांकि इसकी रिलीज की तारीख अभी तय नहीं हुई है। फिलहाल एक्ट्रेस फिल्मों से दूर सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट्स देती हैं।(आरएनएस)

सिनेमाजगत में मेगा पाव रस्टार राम चरण के शानदार 18 साल पूरे

सिनेमा में अपने 18 शानदार साल पूरे कर रहे मेगा पावरस्टार राम चरण, बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म पेड्डी के साथ अपने करियर की सबसे महत्वाकांक्षी भूमिकाओं में से एक में पूरी तरह से डूब गए हैं। उप्पेना से प्रसिद्ध बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित, यह फिल्म एक ऊबड़-खाबड़ ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित एक कच्ची, भावनात्मक रूप से प्रखर कहानी का वादा करती है, और इसका नवीनतम पोस्टर उस साहस का प्रमाण है। वृद्धि सिनेमाज़ के वेंकट सतीश किलारू द्वारा निर्मित और मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा प्रतिष्ठित रूप से प्रस्तुत, पेड्डी को एक विशाल कैनवास पर गढ़ा जा रहा है।

चिरुथा से अपनी ब्लॉकबस्टर शुरुआत के बाद, इंडस्ट्री में चरण की 18वीं सालगिरह के खास मौके पर जारी किए गए इस पोस्टर में उन्हें एक बेहद भारी और गंभीर लुक में दिखाया गया है। रेलवे ट्रैक पर अकेले खड़े, कंधे पर बैग लटकाए और उंगलियों में बीड़ी लिए, चरण एक भारी-भरकम लुक में नज़र आ रहे हैं। उनकी बढ़ी हुई दाढ़ी, तीखी आँखें और बेदाग स्टाइल पेड्डी की कहानी की कच्ची आत्मा को दर्शाते हैं।

लेकिन यह तो बस कई परतों में से एक है। चरण फिल्म में कई रूप धारण कर रहे हैं, और हर रूप कहानी के अलग-अलग भावनात्मक पहलुओं को दर्शाता है। पेड्डी के लिए उनका शारीरिक परिवर्तन, कड़ी तैयारी और गहन प्रशिक्षण के साथ, इस भूमिका के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।

अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है और इसका पहला एकल गीत जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

फिलहाल फिल्म की शूटिंग चल रही है, जिसमें राम चरण और अन्य मुख्य कलाकार निर्माण कार्यों में हिस्सा ले रहे हैं।

जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं, जबकि शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आएंगे। फिल्म में उच्च-स्तरीय तकनीशियन भी हैं, जिनमें आर रत्नवेलु छायांकन और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नवीन नूली संपादन का काम संभालेंगे।

पेड्डी को 27 मार्च 2026 को भव्य नाट्य रिलीज के लिए तैयार किया गया है, जो राम चरण के जन्मदिन के अवसर पर है।

भारत का डिजिटल तकनीक नहीं बदलाव का दशक

राव इंद्रजीत सिंह

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने पर जमीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर पग्राली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है। जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्त्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ करोड़ों लोगों, जो पहले वित्तीय पग्राली की पहुंच से बाहर थे, को उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है।

ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदम- एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्जी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेन देन होते हैं। इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत की डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुंचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढांचा तैयार किया।

डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्त्वपूर्ण दस्तावेज के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं- एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं। डिजिटल गवन्रेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिजाइन किए गए, जेमने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है-जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था।

कृषि क्षेत्र, जिसे प्रायः परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरू कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुंचे। ई-नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके। डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसल उगानी चाहिए और अपनी भूमि में कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण-क्षेत्रों में स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए जो टेली-मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक हर पेशकश करते हैं।

महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए। स्कूल बंद होने के बावजूद, दीक्षा और स्वयं जैसे प्लेटफॉर्मों ने सुनिश्चित किया कि पढ़ाई अनवरत चलती रहे। लद्दाख और केरल के छात्र भी भारत भर के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने अपना आकार लिया जिससे नागरिकों को एक डिजिटल आईडी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच प्राप्त हुई और अस्पतालों एवं राज्यों में सहज वातावरण बन सका। वाणिज्य में भी एक शांत क्रांति देखी गई। डीपीआईआईटी की पहल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) अब छोटी किराना दुकानों और हथकरघा बुनकरों को बड़ी ई-कामर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना रही है।

नीति आयोग की अभिसरण भूमिका-मंत्रालयों, राज्यों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत को एकजुट करना है-जो सुनिश्चित करता है कि डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएं अंतर-संचालनीय, समावेशी और स्केलेबल हों। जैसे-जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, नये आयाम उभर रहेहैं = एआई-सक्षम शासन, विकेंद्रीकृत वाणिज्य और बहुभाषी, मोबाइल-प्रथम डिजिटल सेवाएं जो देश के सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुंच सकती हैं। लेकिन यह सिर्फ एक सरकारी सफलता से जुड़ी कहानी नहीं है। यह एक राष्ट्र की कहानी है-करोड़ों नागरिकों की कहानी है, जिन्होंने बदलाव को अपनाया, उद्यमियों की कहानी है, जो डिजिटल रेल पर आगे बढ़े, और स्थानीय लीडरों की कहानी है, जिन्होंने सेवा वितरण की कल्पना की। भारत का डिजिटल दशक सिर्फ तकनीक का नहीं है-यह बदलाव का दशक भी है, और यह कहानी का अभी प्रारंभिक चरण ही है।

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) एवं संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं। लेख में व्यक्त विचार निजी हैं) ००

सू- दोकू क्र.

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

कश्मीर भारत-पाकिस्तान के बीच का मामला

कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के बीच का मामला बताते हुए अमेरिका द्वारा दोनों मुल्कों के दरम्यान कोई दबंगई न करने का इरादा जताया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता में इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान पर छोड़ने की बात की।

यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें भारत-पाक के बीच युद्धविराम कराने में ट्रंप की भूमिका का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने बार-बार जोर दिया कि सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दे द्विपक्षीय रहने चाहिए। अमेरिका की तरफ से यह बयान उस वक्त आया है, जब ट्रंप पाकिस्तानी हुक्मरान के साथ बैठक कर रहे हैं और रणनीतिक साझेदारी, आतंकवाद निरोधी गठबंधन व अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं।

अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस भारतीयों की मौत का बदला लेने के लिए मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया था जिसमें भारतीय सेना ने पीओके में घुसकर आतंकवादियों के शिविरों में हमला कर सौ से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। उसके बाद से ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उनकी पहल के चलते ही संघर्ष विराम संभव हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति खुद को शांति के नोबल पुरस्कार का दावेदार बता कर विश्व शांति का मसीहा बनने का जबरदस्त प्रयास कर रहे हैं।

हास्यास्पद होने व विभिन्न विद्वानों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बावजूद ट्रंप व उनके चापलूस करीबी दुनिया में जारी युद्धों को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित करने में कोताही नहीं कर रहे। भारत विभिन्न मौकों में स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। अब जब अमेरिका की तरफ से टेरिफ वॉर चालू है, किसी अधिकारी द्वारा दबंगई न करने का स्पष्टीकरण देना रणनीति का हिस्सा होसकता है।

व्यापार समझौतों को ढाल बना कर दोनों मुल्कों के दरम्यान दशकों से चले आ रहे सीमा विवाद और पाकिस्तान में आतंकवादियों के प्रशिक्षण गाह को खत्म करने के बहाने ट्रंप बिल्लयों के झगड़े में बंदर बनने की उतावली में नजर आ रहे हैं जो भारत को किसी कीमत पर स्वीकार्य नहीं। सहिष्णुता बरतने का यह मतलब नहीं है कि हम कड़े कदम उठाने से हिचकते हैं। भारत अपनी शक्ति और स्थिति से अब किसी तरह का समझौता करने को राजी नहीं।(आरएनएस)

मेकअप ब्रश को साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

मेकअप ब्रश को साफ करना एक जरूरी काम है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। गंदे ब्रश से त्वचा पर मुंहासे और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने मेकअप ब्रश को सही तरीके से साफ कर सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने ब्रश को लंबे समय तक उपयोग कर सकते हैं और आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहेगी।

गर्म पानी और शैंपू का करें उपयोग: मेकअप ब्रश को साफ करने का सबसे आसान तरीका है गर्म पानी और शैंपू का उपयोग करना। इसके लिए एक कटोरे में गर्म पानी लें और उसमें थोड़ा सा शैंपू मिलाएं। अब अपने मेकअप ब्रश को इस मिश्रण में डालकर हल्के हाथों से घुमाएं। इससे सभी गंदगी आसानी से निकल जाएंगी। कुछ मिनट बाद ब्रश को निकालकर ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रख दें।

जैतून के तेल का इस्तेमाल करें: जैतून का तेल न केवल आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद होता है बल्कि यह आपके मेकअप ब्रश को साफ करने में भी मदद करता है। इसके लिए एक कटोरे में थोड़ा-सा जैतून का तेल लें और उसमें गुनगुना पानी मिलाएं। अब अपने मेकअप ब्रश को इस मिश्रण में डालकर हल्के हाथों से घुमाएं। इससे सभी गंदगी आसानी से निकल जाएंगे। इसके बाद ब्रश को ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रखें।

बर्तन धोने वाले लिक्विड का करें उपयोग: अगर आपके पास मेकअप ब्रश क्लीनर नहीं है तो आप बर्तन धोने वाले लिक्विड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरे में थोड़ा-सा लिक्विड लें और उसमें गुनगुना पानी मिलाएं। अब अपने मेकअप ब्रश को इस मिश्रण में डालकर हल्के हाथों से घुमाएं। इससे सभी गंदगी और मेकअप के कण आसानी से निकल जाएंगे। इसके बाद ब्रश को ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रख दें।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड का करें उपयोग :अगर आपके ब्रश पर बहुत ज्यादा गंदगी जमा हो गई है तो आप हाइड्रोजन पेरोक्साइड का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े या रूमाल पर थोड़ी-सी हाइड्रोजन पेरोक्साइड लगाएं और उसे गंदे हिस्से पर रगड़ें। इससे सारी गंदगी साफ हो जाएगी। इसके बाद ब्रश को ठंडे पानी से धो लें और तौलिये से सुखाकर हवा में सूखने के लिए रख दें। इस तरीके से आपका मेकअप ब्रश फिर से नया जैसा लगेगा।

नियमित रूप से करें साफ-सफाई: मेकअप ब्रश की सफाई सिर्फ एक बार करने से काम नहीं चलेगा। आपको इसे नियमित रूप से साफ करना होगा ताकि बैक्टीरिया और गंदगी न बढ़े। हफ्ते में कम से कम एक बार अपने सभी मेकअप ब्रश को साफ करें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपने मेकअप ब्रश को साफ रख सकते हैं और अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

राज्य सहकारी बैंक ने शुरु किया जनसंपर्क का नया अध्यायः मेहरोत्रा

संवाददाता

देहरादून। प्रबंध निदेशक प्रदीप मेहरोत्रा ने बताया कि राज्य सहकारी बैंक जनसम्पर्क का नया अध्याय शुरू कर रहा है।

आज यहां सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशन एवं प्रेरणा से उत्तराखण्ड राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड द्वारा 06 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2025 तक "निक्षेप अभियान पखवाड़ा" का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों में बचत एवं वित्तीय अनुशासन की भावना को प्रोत्साहित करते हुए बैंक में व्यक्तिगत एवं संस्थागत निक्षेपों में वृद्धि सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर की सभी शाखाएँ सक्रिय रूप से गांव-गांव और शहर-शहर पहुँच कर आमजन से संवाद कर रही हैं। बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापारी संगठनों और सरकारी कार्यालयों में जाकर जनता को बैंक की प्रमुख योजनाओं फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट, किसान बचत खाता, महिला बचत योजना, वरिष्ठ नागरिक निक्षेप योजना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। बैंक द्वारा राज्य एवं केंद्र सरकार की वित्तीय समावेशन योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। प्रबंध निदेशक प्रदीप मेहरोत्रा ने बताया कि बैंक मुख्यालय स्तर से इस अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है। सभी जिला सहकारी बैंकों को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अभियान का प्रभाव वास्तविक रूप से धरातल पर दिखे। उन्होंने कहा कि "राज्य सहकारी बैंक का उद्देश्य केवल निक्षेप बढ़ाना नहीं, बल्कि जनविश्वास और वित्तीय सशक्तिकरण को मजबूत करना है।" अभियान के तहत प्रदेशभर की शाखाओं में विशेष काउंटर स्थापित किए गए हैं, जहाँ आमजन को निक्षेप योजनाओं की जानकारी के साथ तत्काल खाता खोलने की सुविधा दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता शिविरों के माध्यम से लोगों को बचत के लाभ, निवेश के सुरक्षित विकल्प, और सहकारिता से जुड़ने के फायदे समझाए जा रहे हैं। उत्तराखण्ड राज्य सहकारी बैंक इस अभियान के माध्यम से सहकारिता के उस मूल मंत्र को पुनः जीवंत किया है। बैंक प्रबंधन ने सभी नागरिकों, संस्थानों एवं सरकारी कार्यालयों से अपील की है कि वे इस निक्षेप अभियान में भाग लेकर राज्य की सहकारी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें।

अपहरणकर्ता गिरफ्तार, नाबालिग अपहृता बरामद

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नाबालिग किशोरी का अपहरण करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से नाबालिग किशोरी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण व पोक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जंहा से उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते 9 अक्टूबर को कोतवाली पौड़ी पर राजस्व क्षेत्र निवासी संजय सिंह द्वारा सूचना दी गई कि उनकी भतीजी (नाबालिग) घर से कॉलेज के लिए गई थी, जो अभी तक घर नहीं पहुँची है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। प्रकरण का नाबालिग से संबंधित व गंभीर प्रवृत्ति का होने के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा तत्काल प्रकरण कि विवेचना थानाध्यक्ष महिला थाना श्रीनगर के सुपुर्द कर नाबालिग को शीघ्र बरामद करने हेतु निर्देश दिए गए। जिसके बाद पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद त्वरित कार्यवाही करते हुए गुमशुदा नाबालिग को आरोपी गौरव कुमार निवासी चिन्डालू, पौड़ी के साथ बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मंत्री ने कृषि परियोजनाओं के भव्य उपहार कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया

संवाददाता

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने 42 हजार करोड से अधिक की कृषि परियोजनाओं में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

आज यहां प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गढ़ी कैंट स्थित हरबंस कपूर मेमोरियल हॉल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर के किसानों को 42,000 करोड़ से अधिक की कृषि परियोजनाओं के भव्य उपहार कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और कैंट विधायक सविता कपूर भी उपस्थित रहीं। देहरादून में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से सैकड़ों कृषक एवं बागवान बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा (नई दिल्ली) से "पीएम धन-धान्य कृषि योजना" एवं "दलहन आत्मनिर्भरता मिशन" का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया। पीएम धन-धान्य कृषि योजना 100 कम उत्पादकता वाले जिलों को विकसित करने की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना, सिंचाई एवं भंडारण व्यवस्था में सुधार करना तथा किसानों को सुलभ ऋण उपलब्ध कराना है। यह योजना 6 वर्षों तक चलेगी, जिसके लिए प्रति वर्ष 24,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। योजना का संचालन नीति आयोग, कृषि विश्वविद्यालयों एवं 11 मंत्रालयों के समन्वय से जिला-स्तर की कार्ययोजनाओं के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ग्रामीण आजीविका को सशक्त करते हुए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "पीएम धन-धान्य कृषि योजना" के अंतर्गत उत्तराखंड के चमोली एवं अल्मोड़ा जिलों का चयन होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह निर्णय किसानों के जीवन में नई आशा, ऊर्जा और संभावनाओं का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जितनी चिंता सीमा पर खड़े जवान की करते हैं, उतनी ही चिंता किसान की भी करते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने कृषि नवाचार, मूल्य संवर्द्धन और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मंत्री जोशी ने बताया कि प्रदेश में कृषि का क्षेत्रफल 5.51 लाख हेक्टेयर है और उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियाँ फल, सब्जी, मसाला, पुष्प, मशरूम और शहद उत्पादन जैसी विविध फसलों के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और कैंट विधायक सविता कपूर, जैविक परिषद उपाध्यक्ष भूपेश उपाध्याय, सचिव कृषि एसएन पांडेय, अपर सचिव ग्राम्य विकास झरना कमठान, आयुक्त ग्राम्य विकास अनुराधा पाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वोदय मण्डल ने किया लोकनायक जय प्रकाश नारायन की जयंती का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। सर्वोदय मण्डल ने लोक नायक जय प्रकाश नारायन की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

आज यहां भारत रत्न लोकनायक जय प्रकाश नारायन की जयंती पर सर्वोदय मण्डल,देहरादून द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे वक्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुऐ अपने विचार प्रकट किए कि किस प्रकार उन्होंने जीवन यात्रा शुरू की और अंतिम पड़ाव पर समग्र क्रान्ति का नेतृत्व किया। जब उत्तर प्रदेश मे उस समय के कांग्रेसी मुख्यमंत्री द्वारा जय प्रकाश नारायन को राज्य अतिथि घोषित किया जो विवाद का विषय बना। उस समय की परिस्थितियों को आज के संदर्भ मे लेना होगा तब ही आज की चुनौतियों से निबटा जा सकता है। कार्यक्रम के अंत मे प्रस्ताव पारित करते हुए सोनम बांगचुक की तत्काल बिना शर्त रिहाई की मांग की। सभा की अध्यक्षता करते हुऐ यशवीर आर्य लखनऊ मे जेपी स्मृति उद्यान मे लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने पर उत्तर प्रदेश सरकार की निन्दा करते हुऐ, इसे तुरंत हटाने की मांग की। श्रद्धांजलि सभा मे कुसुम रावत, हरबीर सिंह कुशवाहा, जसपाल सिंह दुग्गल, डॉ सच्चिदा नंद सचान, डॉ रश्मि पैन्यूली,नीरू शर्मा, समर भंडारी, नवीन मित्तल, राम चंद यादव, संजय शर्मा, राजेंद्र सिंह राणा, विशाल थापा, राज किशोर, हरजिंदर सिंह, जगदीश कुकरेती आदि उपस्थित रहे।

गोर्खाली सुधार सभा द्वारा दी गयी आपदा राहत सामग्री एवं आर्थिक सहायता

संवाददाता

देहरादून। गोर्खाली सुधार सभा द्वारा आपदा राहत सामग्री व आर्थिक सहायता वितरण की गयी।

आज यहां गोर्खाली सुधार सभा एवं सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से इंद्रानगर गल्जवाड़ी क्षेत्र के आपदा पीड़ितों को राहत सामग्री एवं आर्थिक सहायता प्रदान की गई। विदित है कि देहरादून मे बादल फटने से इंद्रानगर गल्जवाड़ी क्षेत्र में आई बाढ़ से कई घरों को भारी क्षति हुई है।

आज गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिह थापा के नेतृत्व में टीम ने आपदा ग्रस्त परिवारों श्रीमती शांति क्षेत्री, गोपाल सुनार, श्रीमती गीता क्षेत्री, श्रीमती हेमा गुरूंग, श्रीमती ज्योति शाही, श्रीमती सपना गुरूंग, श्रीमती पूनम देवी, श्रीमती लीला देवी, श्रीमती मीना देवी (आर्थिक सहायत), श्रीमती बबीता शर्मा, रोहित पाल, श्रीमती पूनम अधिकारी, श्रीमती लक्ष्मी थापा, श्रीमती निकिता थापा, श्रीमती लक्ष्मी कुमारी को राहत सामग्री एवं आर्थिक सहायता बाँटी। गोर्खाली सुधार सभा द्वारा अन्य क्षेत्रों में भी आपदा ग्रस्त परिवारों को इसी प्रकार आपदा राहत सामग्री वितरित करेगी। आज इस अवसर पर गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजन क्षेत्री, महामंत्री गोपाल क्षेत्री, सचिव मधुसूदन शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रभा शाह, शाखा अध्यक्ष श्रीमती विमला देवी, ग्राम प्रधान सुनील क्षेत्री उपस्थित थे।

यूकेएसएसएससी भर्ती परीक्षा प्रकरणः

एसआईटी ने जांच रिपोर्ट सीएम को सौंपी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 21 सितंबर, 2025 को आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित एकल सदस्यीय जांच आयोग ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोग की अध्यक्षता न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) यू.सी. ध्यानी द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आयोग ने अल्प समय में अधिक से अधिक जनसुनवाई कर अभ्यर्थियों एवं संबंधित पक्षों से सुझाव प्राप्त करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रिपोर्ट का परीक्षण कर अभ्यर्थियों के हित में निर्णय लेगी। उन्होंने बताया कि प्रकरण की सीबीआई जांच की संस्तुति की जा चुकी है, जिससे मामले की पूरी निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। भविष्य में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी भर्ती परीक्षा में अनियमितता की कोई संभावना न रहे और अभ्यर्थियों तथा उनके अभिभावकों का विश्वास राज्य की परीक्षा प्रणाली पर बना रहे।

किसान सम्मेलन में पुलिस ने पढाया नशा, साइबर व सड़क सुरक्षा का पाठ

संवाददाता

उत्तरकाशी। किसान सम्मेलन में पुलिस ने नशा, साइबर व सडक सुरक्षा के लिए लोगों को जानकारी देकर जागरूक किया।

आज यहां समाज में नशे के दुष्प्रभाव, साइबर, महिला अपराध तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति जनजागरुकता बढाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन मे उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जनजागरुकता अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक धरासू के नेतृत्व में थाना धरासू पुलिस की टीम द्वारा आज कृषि विज्ञान केंद्र, चिन्यालीसौड़ में आयोजित किसान सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर, महिला संबंधी अपराध व यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। महिला उपनिरीक्षक श्रीमती शशि राणा एवं उपनिरीक्षक तस्लीम आरिफ द्वारा लोगों को साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा के उपाय और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुये साईबर हेल्पलाईन नम्बर 1930 की उपयोगिता बतायी गयी।नशे के कुप्रभाव के प्रति सजग करते हुये सभी को नशे से दूरी बनाने, स्वस्थ जीवनशैली/दिनचर्या के लिये प्रेरित किया गया। यातायात नियम व सड़क सुरक्षा के उपाय की जानकारी देने के साथ महिला अपराध व महिला सुरक्षा तथा डायल 112 व उत्तराखण्ड पुलिस एप्प की जानकारी दी गई।

नदी में कूदने वाली युवती को एसडीआरएफ की टीम ने बचाया

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। नदी में कूदी युवती को एसडीआरएफ की टीम ने सकुशल बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया।

आज यहां पोस्ट अगस्त्यमुनि से अपर उपनिरीक्षक हरीश बंगारी को डीसीआर रुद्रप्रयाग से सूचना प्राप्त हुई कि सोडी नामक स्थान पर एक महिला ने नदी में बह गई है। सूचना पर एसडीआरएफ टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुँचने पर पाया गया कि एक नेपाली मूल के व्यक्ति द्वारा उक्त युवती को नदी से सकुशल निकाल लिया गया था। टीम द्वारा युवती को तत्परता दिखाते हुए बिना समय गंवाए सुरक्षित रोड हैड तक पहुँचाया गया तथा प्राथमिक उपचार हेतु 108 एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया। उक्त युवती की पहचान शिक्षा पुत्री देवी लाल के रूप में हुई।

महिला श्रद्धालु के पर्स को मनेरी पुलिस टीम ने वापस लौटाया

संवाददाता

उत्तरकाशी। महाराष्ट्र से चारधाम यात्रा पर आयी महिला श्रद्धालु का हजारा रूपये से भरा पर्स पुलिस ने तलाश कर वापस लौटा दिया।

आज यहां बीड़, महाराष्ट्र से चारधाम यात्रा पर आयी महिला श्रद्धालु श्रीमती मेघा रमाकांत धर्माधिकारी (54 वर्ष) द्वारा कल कोतवाली मनेरी पर सूचना दी गयी कि गंगोत्री धाम दर्शन करने के उपरांत वह वापस लौटते समय रास्ते में डबरानी पुल के पास देर सांय को एक रेस्टोरेंट में चाय पीने के लिए रुके थे, उनका पर्स रेस्टोरेंट मे छूट गया है। पर्स में 35 हजार की नकदी,आधार कार्ड, अन्य जरुरी कागजात व सामान रखा है।

मनेरी पुलिस टीम द्वारा महिला तीर्थयात्री के पर्स के सम्बन्ध में जानकारी जुटाते हुये, रेस्टोरेंट मालिक के पास से पर्स प्राप्त कर आज महिला श्रद्धालु मेघा रमाकांत को कोतवाली मनेरी पर बुलाकर खोये पर्स को नकदी, कागजात व सामान के साथ वापस लौटाया गया। श्रद्धालु द्वारा पुलिस टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षाओं के केन्द्रीयकृत स्टूडियो का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय विद्यालयों में हाइब्रिड मोड में संचालित वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षाओं के केन्द्रीयकृत स्टूडियो का शुभारंभ किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, ननूरखेड़ा (देहरादून) में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड द्वारा विद्यालयी शिक्षा में आई.सी.टी. योजना के अंतर्गत 840 राजकीय विद्यालयों में हाइब्रिड मोड में संचालित वर्चुअल एवं स्मार्ट कक्षाओं के केन्द्रीयकृत स्टूडियो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की इस ऐतिहासिक पहल के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, जिससे प्रदेश के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल तकनीक, वर्चुअल प्लेटफॉर्म और स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से अनेक संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। इन नवाचारों के माध्यम से पाठ्यक्रम अधिक रोचक और सरल बन रहा है तथा दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी भी विशेषज्ञों और शिक्षकों से सीधे संवाद कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 226 विद्यालयों को पीएम श्री विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया है तथा 500 विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अब विद्यार्थी 'उत्तराखंड वर्चुअल लर्निंग एप्लीकेशन' के माध्यम से घर बैठे आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इसके माध्यम से बच्चे स्वयं अपना मूल्यांकन भी कर सकेंगे। इस ऐप के जरिए विद्यार्थियों को देश और राज्य के जाने-माने शिक्षकों से सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक ऑनलाइन शिक्षा पहुँचाने के लिए 5-पीएम ई-विद्या चैनल भी संचालित कर रही है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक उमेश शर्मा 'काऊ', अपर सचिव शिक्षा श्रीमती रंजना राजगुरु, महानिदेशक शिक्षा सुश्री दीप्ति सिंह, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से राज्यभर के विद्यालयों के विद्यार्थी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।